International Journal of Advanced Academic Studies 2022; 4(4): 147-151

E-ISSN: 2706-8927
P-ISSN: 2706-8919
www.allstudyjournal.com
IJAAS 2022; 4(4): 147-151
Received: 22-08-2022
Accepted: 27-09-2022

सपना त्रिवेदी
शोध छात्रा, समाजशास्त्र विभाग, शासकीय ठा. रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश, भारत

डॉ. एस.एम. मिश्रा
प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग, एस.जी.एस. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी, मध्य प्रदेश, भारत

Corresponding Author:
सपना त्रिवेदी
शोध छात्रा, समाजशास्त्र विभाग, शासकीय ठा. रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश, भारत

इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरूकता : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

सपना त्रिवेदी एवं डॉ. एस.एम. मिश्रा

सारांश
इस शोध पत्र के द्वारा इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरुकता : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत शोध में आंकड़ों के संकलन हेतु स्वनिर्मित अनुसूची का निर्माण किया गया है। शोध क्षेत्र में 65.56 प्रतिशत लोग सहमत थे कि इंटरनेट युवाओं के बेहतर जीवन स्तर के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायक है। इसी संदर्भ में 18.52 प्रतिशत लोग असहमत एवं 15.93 प्रतिशत इस संबंध में पता नहीं कि इंटरनेट युवाओं के बेहतर जीवन स्तर के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायक है। शोध क्षेत्र में 65.19 प्रतिशत लोग सहमत थे कि इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरूकता के स्तर में वृद्धि हो रही है। इसी संदर्भ में 17.22 प्रतिशत लोग असहमत एवं 17.59 प्रतिशत इस संबंध में पता नहीं कि इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरूकता के स्तर में वृद्धि हो रही है। इंटरनेट अब रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है, इसलिए युवाओं के लिए यह सीखना महत्वपूर्ण है कि कार्यस्थल में भविष्य के अवसरों के लिए उन्हें तैयार करने के लिए ऑनलाइन संवाद कैसे करें और दोस्तों और परिवार के साथ बातचीत में उनका समर्थन करें। इंटरनेट प्लेटफॉर्म का उपयोग करने से उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता विकसित करने में मदद मिल सकती है।

कुटशब्दः रीवा जिला, युवा वर्ग, इंटरनेट, जागरुकता

प्रस्तावना
इंटरनेट कंप्यूटर के एक बड़े पैमाने पर प्रणाली के रूप में विकसित हुआ है जो वैश्विक स्तर पर अरबों लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सामान्य इंटरनेट प्रोटोकॉल सूट का उपयोग करता है (जिसे टीसीपी / आईपी कहते हैं हालांकि हर एप्लिकेशन टीसीपी का उपयोग नहीं करता है)। यह नेटवर्क एक व्यापक वेब है जिसमें लाखों सार्वजनिक, निजी, व्यवसाय, शैक्षणिक और साथ ही सरकारी नेटवर्क शामिल हैं जो स्थानीय, वायरलेस, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल नेटवर्किंग प्रौद्योगिकियों की एक व्यापक श्रेणी के साथ जुड़ा हुआ वैश्विक प्लेटफार्म है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इंटरनेट पर आप वर्ल्ड वाइड वेब (WWW) के इंटर–कनेक्टेड हाइपरटेक्स्ट पेजों की मदद से ईमेल अकाउंट्स को बनाए रखने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी सूचना संसाधनों के साथ–साथ सेवाओं की व्यापक सारणी की खोज कर सकते हैं।
इंटरनेट कई उद्देश्यों जैसे कि इलेक्ट्रॉनिक मेल भेजने, कई एप्लिकेशन के माध्यम से ऑनलाइन चौट करने, एक उपकरण से एक स्थान से दूसरे स्थान पर फ़ाइल को ट्रांसफर करने और अनगिनत विषयों पर अनन्त जानकारी प्राप्त करने के लिए उपयोग किया जाता है। इंटरनेट का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण उपयोग ई–मेल भेजना और प्राप्त करना है। ई–मेल सुरक्षित और निजी है तथा यह एक उपयोगकर्ता से दूसरे उपयोगकर्ता को भेजा जाता है। इंस्टेंट मैसेजिंग एप्लिकेशन जैसे एआईएम या आईसीक्यू जैसी वेबसाइटें दो से ज्यादा लोगों को चौट करने की अनुमति देती है और यह दूसरी वेबसाइटो के मुक़ाबले बहुत तेज भी है।
दुनिया भर की कई सरकारें इंटरनेट को बुरा मानती हैं और इसी वजह से कुछ साइटों को अपने देश के कुछ हिस्सों में या पूरे ही देश में ब्लॉक कर देती हैं। उदाहरण के लिए चीन की सरकार सोचती है कि विकिपीडिया अच्छा नहीं है और देश के लोग इसे पढ़ या इसमें कुछ जोड़ ना सकें इसलिए इसे बंद कर देती है। कभी–कभी माता–पिता इंटरनेट के उन हिस्सों को ब्लॉक कर देते हैं जो उनके बच्चों के भविष्य के लिए अच्छा नहीं है। कई उपकरणों या ज्यादातर उपकरणों में अभिभावकीय नियंत्रण प्रणाली होती है। कई देशों ने पूरी तरह से इंटरनेट का उपयोग बंद कर रखा है जैसे कि उत्तर कोरिया और म्यांमार।
कुछ वेबसाइटें लोगों को हानिकारक वायरस डाउनलोड करने के लिए या बेवकूफ बनाने के लिए डिज़ाइन की गई हैं ताकि उस सिस्टम में घुस सकें जिसके माध्यम से कोई भी जासूसी कर सकता है। ई–मेल भी खतरनाक हो सकता है क्योंकि कोई भी व्यक्ति किसी अनुलग्नक के माध्यम से हानिकारक वायरस आदि भेज सकता है।

कई लोग इंटरनेट चैट रूम का इस्तेमाल दूसरों पर नज़र रखने के लिए करते हैं। इंटरनेट पर कई वेबसाइट्स में कुछ ऐसी सामग्री होती है जो बहुत से उपयोगकर्ताओं के लिए मुश्किल भरी हो सकती है। कभी–कभी इंटरनेट पर लोग पैसा या व्यक्तिगत डेटा भेजकर धोखाधड़ी करने वाले लोगों का शिकार बन जाते हैं। हमें बस इंटरनेट पर सुरक्षित रूप से सर्च करने के लिए जागरूकता और थोड़ा ज्ञान होने की आवश्यकता है तथा हमें इसका समझदारी से भी उपयोग करना चाहिए।

हालांकि इंटरनेट/सोशल मीडिया कुछ जोखिम पेश कर सकता है, लेकिन यह समझना महत्वपूर्ण है कि आपके बच्चे को अपने सोशल मीडिया के उपयोग से सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन देने के क्या लाभ हैं। युवा वर्ग अपने आसपास की दुनिया को बेहतर ढंग से समझने और विभिन्न विषयों पर अपने ज्ञान का निर्माण करने के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों और विश्व साक्षात्कारों को सीख और सराहना कर सकते हैं। कई प्लेटफार्मों पर साझा किए गए इतने सारे विचारों के साथ, वे रुचि के क्षेत्रों की खोज कर सकते हैं और एक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक क्षमताओं में उपयोग कर सकते हैं। परिवार के सदस्यों के लिए उपयोग करना, जो एक स्थानीय क्षेत्र से चले गए दोस्तों के अलावा मीलों तक रह सकते हैं, रिश्तों को बनाए रखने और उन्हें संपर्क में रहने और आसानी से अपने जीवन को साझा करने की अनुमति दे सकते हैं। इंटरनेट युवाओं को एक विशेष कारण के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद कर सकता है, जिसमें वे रुचि रखते हैं, जहां वे इसे देखना चाहते हैं, परिवर्तन को प्रभावित करने पर वास्तविक दुनिया का प्रभाव पड़ता है। युवा लोग अपने खातों का उपयोग अपनी उपलब्धियों को साझा करने, अपनी प्रतिभा दिखाने और बाद में जीवन में उन्हें लाभान्वित करने के लिए एक सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का प्लेटफार्म मिल जाता है।

2. उद्देश्य

प्रस्तुत शोध कार्य निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान मे रखकर किया गया हैः–

- इंटरनेट युवाओं के बेहतर जीवन स्तर के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायक है, का अध्ययन करना।
- इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरूकता के स्तर में वृद्धि हो रही है, का अध्ययन करना।

3. शोध की परिकल्पनाएँ

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधार्थी का पूर्वानुमान परिकल्पनाओं के रूप में निम्नवत् हैः–

1. इंटरनेट युवाओं के बेहतर जीवन स्तर के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायक है।
2. इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरूकता के स्तर में वृद्धि हो रही है।

4. शोध समस्या का सीमांकन

4.1 भौगोलिक परिसीमन – प्रस्तुत शोध कार्य का क्षेत्र रीवा जिला है। इसके अन्तर्गत सभी विकासखण्ड सम्मिलित हैं।

4.2 विषयवस्तु का परिसीमन – अध्ययन की विषयवस्तु का परिसीमन, जिला अन्तर्गत इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरुकता : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन के अन्तर्गत सम्मिलित किया गया है। इस अध्ययन के लिए शोध क्षेत्र के युवाओं की उम्र 18 से 30 वर्ष में से चयनित किया गया है।

5. शोध विधियाँ

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित विधियों एवं उपकरणों का उपयोग किया गया है –

5.1 साक्षात्कार विधि – शोध क्षेत्र में समन्वित इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरुकता : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन करने के लिए इस क्षेत्र में युवा वर्ग से वस्तुस्थिति का पता लगाने हेतु साक्षात्कार किया गया है।

5.2 सांख्यिकी विधि – प्रयुक्त शोध उपकरणों से प्राप्त प्रदत्तों के सारणीयन के उपरान्त आवश्यकतानुसार सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया गया है।

6. न्यादर्श चयन

इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरुकता : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन करने के लिए न्यादर्श के रूप में चयनित रीवा जिले के सभी विकासखण्डों से 60–60 युवाओं कुल 540 युवाओं (लड़के एवं लड़कियाँ) का चयन दैव निदर्शन पद्धति से साक्षात्कार हेतु किया गया है।

7. पूर्ववर्ती शोध अध्ययनों का विवरण

किसी भी शोध कार्य को सोद्देश्य तथा अधिक प्रभावी बनाने के दृष्टिकोण से यह आवश्यक हो जाता है कि शोधार्थी अपनी शोध समस्या के समरूप पूर्व में किए गये अन्य शोध कार्यों के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्राप्त कर ले। इसी दृष्टिकोण से शोधार्थी ने इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरुकता : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन की वर्तमान स्थिति पर किये गये कुछ प्रमुख तथा सहज रूप से उपलब्ध पूर्व शोध अध्ययनों के विषय–वस्तु की जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया है। संक्षेप में उनका विवरण निम्न है – शर्मा, वीरेन्द्र प्रकाश (2006)[1], जैन, प्रत्याशा (2011)[2], मनोज कुमार राय (2014)[3], गुलाब कोठारी (2009)[4], गुलशन मीयांगवाला (2014)[5], डॉ. विजय प्रकाश (2015)[6], अजय विदुत, डॉ. समीर पारिख (2016)[7], सिंह, गार्गी एवं डॉ. अल्पना वर्मा (2020)[8] एवं सिंह, रुचि एवं सिंह, डॉ. के.के. (2022)[9]।

8. शोध क्षेत्र का परिचय

रीवा जिला 24.18^0 उत्तरी अक्षांश से 25^0 उत्तरी अक्षांश तथा 81.2^0 पूर्वी देक्षांश से 82.18^0 पूर्वी देक्षांश के मध्य है। रीवा जिले का क्षेत्रफल 6287 वर्ग किलोमीटर है। इसके उत्तर में उत्तर प्रदेश के बांदा एवं इलाहाबाद जिले, पूर्व तथा पूर्व–उत्तर में उत्तर प्रदेश का ही मिर्जापुर जिला, दक्षिण में अपने राज्य का सीधी जिला और दक्षिण–पश्चिम तथा पश्चिम में सतना जिला है।

9. परिणामों का विश्लेषण एवं व्याख्या

शोधार्थी द्वारा किया गया कोई भी शोध कार्य सही अर्थों में तभी प्रतिबिम्बित होता है, जब शोधार्थी द्वारा उस समस्या की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन किया जाय। इसके लिये यह आवश्यक है, कि शोधार्थी द्वारा शोध अध्ययन में उपयोग किये गये समस्त शोध उपकरणों द्वारा प्राप्त जानकारियों को व्यवस्थित क्रम में सारणीबद्ध किया जाय, निम्नानुसार है–

सारणी 1: इंटरनेट युवाओं के बेहतर जीवन स्तर के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायक है, का अध्ययन

क्र.	विकासखण्ड का नाम	न्यादर्श में चयनित युवाओं की संख्या	इंटरनेट युवाओं के बेहतर जीवन स्तर के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायक है।					
			सहमत		असहमत		पता नहीं	
			संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	रीवा	60	47	78.33	08	13.33	05	8.33
2.	सिरमौर	60	38	63.33	16	26.67	06	10.00
3.	जवां	60	36	60.00	14	23.33	10	16.67
4.	त्योंथर	60	37	61.67	12	20.00	11	18.33
5.	हनुमना	60	40	66.67	08	13.33	12	20.00
6.	मऊगंज	60	42	70.00	11	18.33	07	11.67
7.	नईगढ़ी	60	36	60.00	10	16.67	14	23.33
8.	गंगेव	60	42	70.00	08	13.33	10	16.67
9.	रायपुर कचु.	60	36	60.00	13	21.67	11	18.33
योग		540	354	65.56	100	18.52	86	15.93

One-way ANOVA

	Data Summary				
Groups	**N**	**Σx**	**Mean**	**Std.Dev.**	**Std. Error**
सहमत	9	354	39.33	3.7749	1.2583
असहमत	9	100	11.11	2.8916	0.9639
पता नहीं	9	86	9.56	2.9627	0.9876
	Anova Summary				
Sources	**Degree of freedom DF**		**Sum of Squares SS**	**Mean Squares MS**	**F**
Between groups	2		5056.8889	2528.4445	241.655
Within groups	24		251.1111	10.463	
Total	26		5308		

The f-ratio value is 241.655.
The p-values is <.0001.
The result is significant at $p<0.05$.

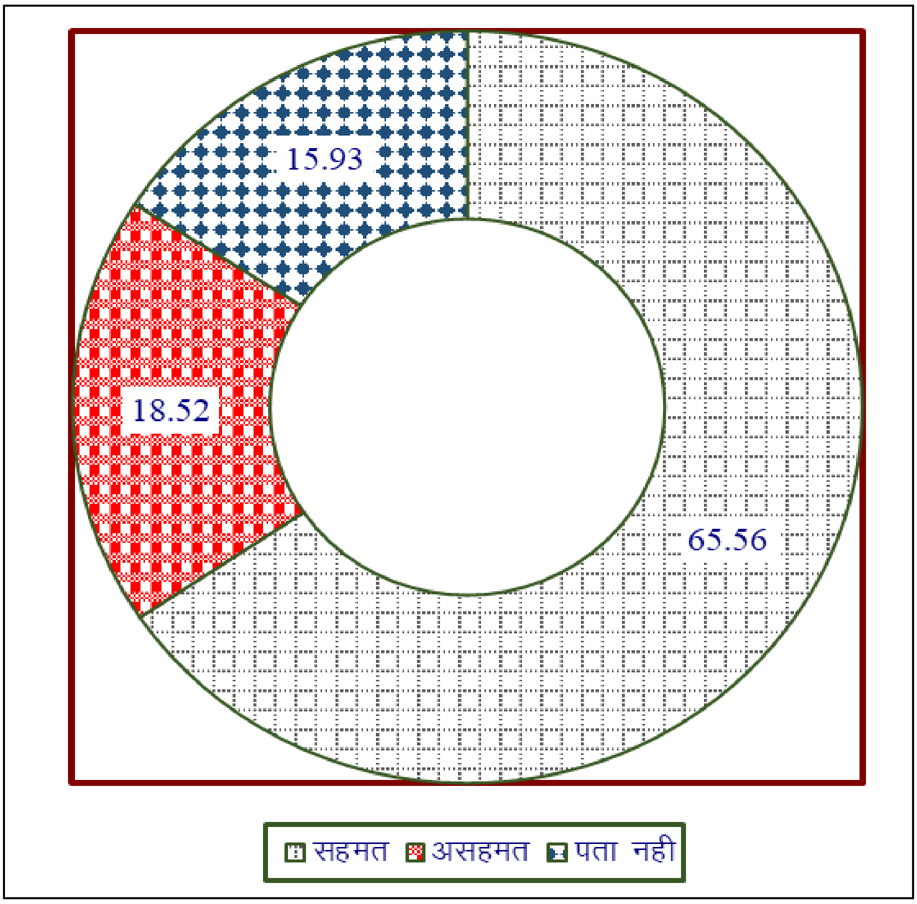

आरेख 1 : इंटरनेट युवाओं के बेहतर जीवन स्तर के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायक है, का आरेखीय निरूपण

विश्लेषण एवं व्याख्या

उपरोक्त सारणी क्रमांक 1 में इंटरनेट युवाओं के बेहतर जीवन स्तर के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायक है, से संबंधित आंकड़ों का संग्रहण किया गया है। इसके लिए साक्षात्कार पत्रक के माध्यम से न्यादर्श में चयनित सभी विकासखण्डों से 60–60 अर्थात कुल 540 युवा उत्तरदाताओं से जिसमें सभी शहरी एवं ग्रामीण, सभी धर्म एवं आयु के लोग सम्मिलित है, आंकड़ों का संग्रहण किया गया है।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि शोध क्षेत्र में 65.56 प्रतिशत लोग सहमत थे कि इंटरनेट युवाओं के बेहतर जीवन स्तर के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायक है। इसी संदर्भ में 18.52 प्रतिशत लोग असहमत एवं 15.93 प्रतिशत इस संबंध में पता नहीं कि इंटरनेट युवाओं के बेहतर जीवन स्तर के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायक है।

शोध क्षेत्र में इंटरनेट युवाओं के बेहतर जीवन स्तर के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायक है, से संबंधित आंकड़ों का One-way ANOVA द्वारा सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया है जिसमें सहमत, असहमत और पता नहीं का मध्यमान क्रमशः 39. 33, 11.11 व 9.56 है। जिसमें ॰ अनुपात मान 241.655 है। च का मान ढ .00001 है। $p<0.05$ पर परिणाम सार्थक है।

अतः अध्ययन से स्पष्ट होता है कि इंटरनेट युवाओं के बेहतर जीवन स्तर के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायक है।

सारणी 2 : इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरूकता के स्तर में वृद्धि हो रही है, का अध्ययन

क्र.	विकासखण्ड का नाम	न्यादर्श में चयनित युवाओं की संख्या	इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरूकता के स्तर में वृद्धि हो रही है।					
			सहमत		असहमत		पता नहीं	
			संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	रीवा	60	45	75.00	09	15.00	06	10.00
2.	सिरमौर	60	37	61.67	10	16.67	13	21.67
3.	जवां	60	34	56.67	13	21.67	13	21.67
4.	त्योंथर	60	38	63.33	11	18.33	11	18.33
5.	हनुमना	60	35	58.33	10	16.67	15	25.00
6.	मऊगंज	60	45	75.00	08	13.33	07	11.67
7.	नईगढ़ी	60	37	61.67	12	20.00	11	18.33
8.	गंगेव	60	41	71.67	09	15.00	10	16.67
9.	रायपुर कर्चु.	60	40	66.67	11	18.33	09	15.00
योग		540	352	65.19	93	17.22	95	17.59

One-way ANOVA

	Data Summary				
Groups	**N**	**Σx**	**Mean**	**Std.Dev.**	**Std. Error**
सहमत	9	352	39.11	3.9826	1.3275
असहमत	9	93	10.33	1.5811	0.527
पता नहीं	9	95	10.55	2.9202	0.9734

	Anova Summary			
Sources	**Degree of freedom DF**	**Sum of Squares SS**	**Mean Squares MS**	**F**
Between groups	2	4930.8833	2465.4417	275.0734
Within groups	24	215.1084	8.9628	
Total	26	5145.9917		

The f-ratio value is 275.0734.
The p-values is <.0001.
The result is significant at $p<0.05$.

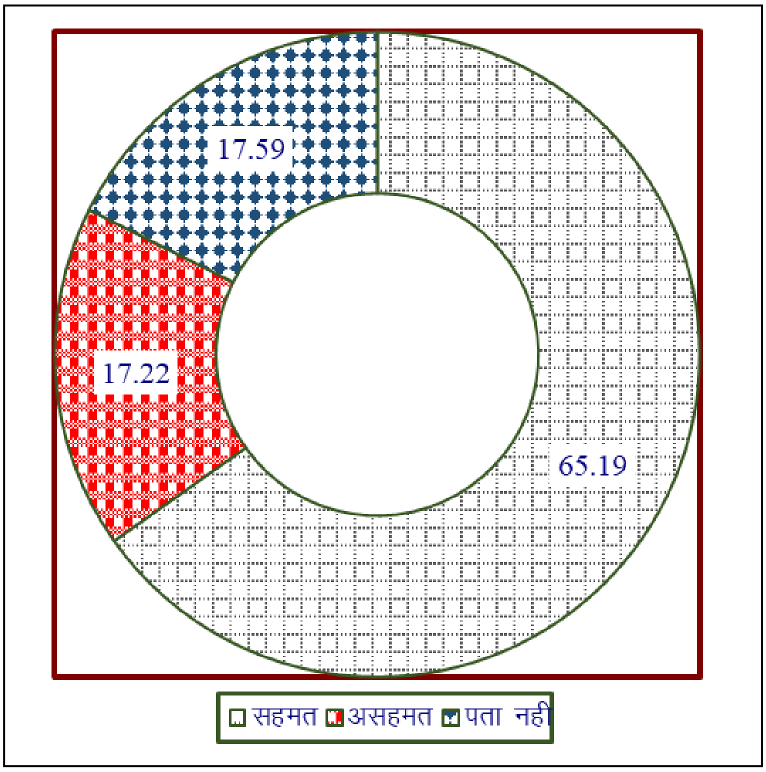

आरेख 2: इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरूकता के स्तर में वृद्धि हो रही है, का आरेखीय निरूपण

विश्लेषण एवं व्याख्या

उपरोक्त सारणी क्रमांक 2 में इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरूकता के स्तर में वृद्धि हो रही है, से संबंधित आंकड़ों का संग्रहण किया गया है। इसके लिए साक्षात्कार पत्रक के माध्यम से न्यादर्ष में चयनित सभी विकासखण्डों से 60–60 अर्थात कुल 540 युवा उत्तरदाताओं से जिसमें सभी षहरी एवं ग्रामीण, सभी धर्म एवं आयु के लोग सम्मिलित है, आंकड़ों का संग्रहण किया गया है।

उपरोक्त सारणी से स्पश्ट होता है कि शोध क्षेत्र में 65.19 प्रतिशत लोग सहमत थे कि इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरूकता के स्तर में वृद्धि हो रही है। इसी संदर्भ में 17.22 प्रतिशत लोग असहमत एवं 17.59 प्रतिशत इस संबंध में पता नहीं कि इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरूकता के स्तर में वृद्धि हो रही है।

शोध क्षेत्र में इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरूकता के स्तर में वृद्धि हो रही है, से संबंधित आंकड़ों का **One-way ANOVA** द्वारा सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया है जिसमें सहमत, असहमत और पता नहीं का मध्यमान क्रमशः 39.11, 10. 33 व 10.55 है। जिसमें ॡ अनुपात मान 275.0734 है। च का मान ढ .00001 है। $p<0.05$ पर परिणाम सार्थक है।

अतः अध्ययन से स्पष्ट होता है कि इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरूकता के स्तर में वृद्धि हो रही है।

10. निष्कर्ष

अनुसंधान के परिणामों से प्राप्त निष्कर्ष निम्नानुसार है–

- शोध क्षेत्र के 78.33 प्रतिशत रीवा विकासखण्ड, 70.00 प्रतिशत मऊगंज व गंगेव विकासखण्ड, 66.67 प्रतिशत हनुमना विकासखण्ड, 63.33 प्रतिशत सिरमौर विकासखण्ड, 61.67 प्रतिशत त्योंथर विकासखण्ड, 60.00 प्रतिशत जवां, नईगढ़ी व रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड के युवा उत्तरदाता सहमत थे कि इंटरनेट युवाओं के बेहतर जीवन स्तर के प्रति जागरूकता पैदा करने में सहायक है।
- शोध क्षेत्र के 75.00 प्रतिशत रीवा व मऊगंज विकासखण्ड, 71.67 प्रतिशत गंगेव विकासखण्ड, 58.33 प्रतिशत हनुमना विकासखण्ड, 61.67 प्रतिशत सिरमौर विकासखण्ड, 63.33 प्रतिशत त्योंथर विकासखण्ड, 56.67 प्रतिशत जवां, 61.67 प्रतिशत नईगढ़ी व 66.67 प्रतिशत रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड के युवा उत्तरदाता सहमत थे कि इंटरनेट के प्रयोग द्वारा युवाओं में जागरूकता के स्तर में वृद्धि हो रही है।

संदर्भ

1. शर्मा, वीरेन्द्र प्रकाश, रिसर्च मैथ्डोलॉजी, पंचशील प्रकाशन, जयपुर, 2006 पृ. 28.
2. जैन, प्रत्याशा, ''सोशल नेटवर्किंग साइट्स का भारत के युवाओं पर प्रभाव'' 2011,
3. मनोज कुमार राय, सामाजिक परिवर्तन और विकास, नवभारत टाइम्स, October 5, 2014-
4. गुलाब कोठारी, मीडिया और संस्कृति, अगस्त 4, 2009, गुलाब कोठारीज़ ब्लॉग.
5. गुलशन मीयांगवाला, ''सोशल नेटवर्किंग का युवाओं पर प्रभाव, सितम्बर 2014
6. डॉ. विजय प्रकाश, ''सोशल मीडिया का समाज पर प्रभाव'', 2016 महावालेश्वर एस. कब्बूर सावित्री के, ''मोबाइल और इंटरनेट आधारित प्रौद्योगिकी का विद्यार्थियों की शिक्षा पर प्रभाव'' 2 मार्च 2015.
7. अजय विदुत, डॉ. समीर पारिख, ''दिमाग में उथल–पुथल बढ़ाते है, सोशल मीडिया पर मिलने वाले लाइक्स'', दैनिक भास्कर, 14 जुलाई, 2016 पृ. 8.
8. सिंह, गार्गी एवं डॉ. अल्पना वर्मा, आधुनिक युग में किशोरों पर सोशल मीडिया का सकारात्मक प्रभाव, International Journal of Hindi Research. 2020 Jan;6(1):01-05.
9. सिंह, रुचि एवं सिंह, डॉ. के.के., रीवा जिला में घरेलू महिला हिंसा में संचारक्रांति की भूमिका : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन, International Journal of Advanced Academic Studies. 2022;4(1):349-35.